कानपुर, मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026
वर्ष: 03, अंक: 99, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड होर्मुज में 'मिसाइल केमिकल' का साया...>Pg12

किदवईनगर में मकान में भीषण आग...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

रविवार को भी खुलेंगे रजिस्ट्री दफ्तर

प्रॉपर्टी सौदों में अब नहीं लगेगा 'छुट्टी' का ब्रेक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रॉपर्टी खरीद-बिक्री से जुड़े लोगों के लिए अब बड़ी राहत की खबर है। राज्य सरकार ने आम नागरिकों, खासकर नौकरीपेशा वर्ग की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार को भी प्रॉपर्टी रजिस्ट्री की शुरुआत कर दी है। इस फैसले के तहत प्रदेश के 9 प्रमुख शहरों लखनऊ, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), सहारनपुर और वाराणसी में हर रविवार एक-एक रजिस्ट्री कार्यालय खुलेगा।

नई व्यवस्था के मुताबिक जिन जिलों में दो या उससे अधिक उप-निबंधक कार्यालय हैं, वहां रोस्टर प्रणाली लागू की गई है। यानी हर रविवार अलग-अलग कार्यालयों को खोलकर कामकाज किया जाएगा। इससे न केवल भीड़ का दबाव कम होगा, बल्कि लोगों को सुविधाजनक तरीके से समय मिल सकेगा।

दरअसल, अब तक प्रॉपर्टी रजिस्ट्री के लिए सोमवार से शनिवार तक ही समय मिलता था। ऐसे में नौकरीपेशा लोगों को अक्सर छुट्टी लेकर यह काम करना पड़ता था, जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित होती थी। लेकिन अब रविवार को भी रजिस्ट्री की सुविधा मिलने से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। हालांकि, इस नई व्यवस्था के पहले दिन रजिस्ट्री की रफ्तार थोड़ी धीमी रही। मेरठ में 27, अलीगढ़ के खैर क्षेत्र में 6 और अन्य शहरों में भी सीमित संख्या में बैनामे दर्ज किए गए। इसके पीछे मुख्य कारण लोगों में जानकारी का अभाव और शुरुआती तकनीकी दिक्कतें रहीं। मेरठ में तो सॉफ्टवेयर अपडेट न होने की वजह से दोपहर तक टोकन जारी ही नहीं हो सके, जिससे काम प्रभावित हुआ। बाद में तकनीकी समस्या दूर होने पर रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू हो सकी।

अधिकारियों का कहना है कि यह शुरुआत का दौर है और धीरे-धीरे लोगों में जागरूकता बढ़ने के साथ ही रविवार को भी रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या में तेजी आएगी। सरकार का मानना है कि यह कदम न केवल आम जनता को राहत देगा, बल्कि राजस्व संग्रह में भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

यह पहल राज्य में प्रशासनिक सेवाओं को अधिक लचीला और जन-हितैषी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण और डिजिटल सिस्टम के विस्तार के बीच यह निर्णय समय की जरूरत के अनुरूप बताया जा रहा है। कुल मिलाकर, रविवार को रजिस्ट्री कार्यालय खोलने का यह फैसला उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद यह व्यवस्था आने वाले समय में प्रॉपर्टी लेन-देन को आसान, तेज और अधिक पारदर्शी बना सकती है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

- नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत, 9 शहरों में रोस्टर के तहत शुरू हुई नई व्यवस्था
- पहले दिन कम रफ्तार, लेकिन भविष्य में रजिस्ट्री की रफ्तार बढ़ने की पूरी संभावना

नौकरीपेशा लोगों के लिए गेम चेंजर

रविवार को रजिस्ट्री खुलने से सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को होगा, जो सप्ताह के दिनों में ऑफिस के कारण समय नहीं निकाल पाते थे। अब बिना छुट्टी लिए वे आसानी से प्रॉपर्टी से जुड़े काम निपटा सकेंगे।

राजस्व में होगी बढ़ोत्तरी

सरकार को उम्मीद है कि रजिस्ट्री के अतिरिक्त दिन खुलने से बैनामों की संख्या बढ़ेगी, जिससे स्टांप शुल्क और पंजीकरण से मिलने वाला राजस्व भी बढ़ेगा।

- रविवार को रजिस्ट्री शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल
- 9 बड़े शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू व्यवस्था
- रोस्टर सिस्टम से हर हफ्ते अलग कार्यालय रहेगा खुला
- पहले दिन तकनीकी समस्याओं से धीमी की रफ्तार
- नौकरीपेशा वर्ग को मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा
- डिजिटल सिस्टम अपडेट होने के बाद प्रक्रिया होगी तेज
- राजस्व बढ़ाने के साथ भ्रष्टाचार पर भी लगेगी लगाम

तकनीकी ढांचा बनेगा निर्णायक

पहले दिन आई दिक्कतों ने साफ कर दिया कि इस योजना की सफलता पूरी तरह डिजिटल सिस्टम की मजबूती पर निर्भर करेगी। यदि सॉफ्टवेयर और सर्वर बेहतर रहे, तो प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी।

भीड़ नियंत्रण और पारदर्शिता

रोस्टर प्रणाली से एक ही कार्यालय पर भीड़ का दबाव नहीं पड़ेगा। इससे दलालों की भूमिका भी कम हो सकती है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे से बदलेगा पश्चिमी उत्तर प्रदेश का भविष्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/मेरठ। उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाला 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे अब पूरी तरह तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को इसका उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे न सिर्फ राज्य की कनेक्टिविटी को नया आयाम देगा, बल्कि वेस्ट यूपी के उन क्षेत्रों के विकास का रास्ता भी खोलेगा जो अब तक उपेक्षित रहे हैं।

मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के 12 जिलों को सीधे जोड़ता है। इसके शुरू होने के बाद दिल्ली-लखनऊ हाईवे और अन्य प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होगा। खासतौर पर वेस्ट यूपी से पूर्वांचल की ओर जाने वाले वाहनों को तेज और सुगम मार्ग मिलेगा, जिससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। सरकार का मानना है कि यह एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का मजबूत इंजन साबित होगा। इसके किनारे औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग हब और नई टाउनशिप विकसित की जाएंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में इसका असर और भी व्यापक होगा। जिन इलाकों में पहले निवेश नहीं पहुंच पाता था, वहां अब उद्योग और व्यवसाय स्थापित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। इससे कृषि उत्पादों की बाजार तक पहुंच आसान होगी और किसानों को बेहतर मूल्य मिल सकेगा। इसके साथ ही, एक्सप्रेसवे पर अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिनमें इमरजेंसी सेवाएं, फ्यूल स्टेशन, फूड प्लाजा और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह एक्सप्रेसवे आधुनिक मानकों पर खरा उतरता है।

- 594 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे 29 अप्रैल को होगा समर्पित
- उपेक्षित इलाकों में औद्योगिक और सामाजिक विकास को मिलेगी रफ्तार

यात्रा में समय और लागत की बचत

दिल्ली से प्रयागराज की दूरी अब कम समय में तय हो सकेगी। ईंधन की बचत होगी और ट्रांसपोर्ट लागत घटने से व्यापार को सीधा लाभ मिलेगा। गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह एक्सप्रेसवे वेस्ट यूपी को नई पहचान देने के साथ राज्य को आर्थिक रूप से और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

कब शुरू हुआ निर्माण?

- परियोजना की आधारशिला: दिसंबर 2021
- निर्माण कार्य की शुरुआत: जनवरी 2022
- कुल निर्माण अवधि: लगभग 4 वर्ष
- पूर्णता: अप्रैल 2026

40500 वर्ग मीटर प्लाटिंग में केडीए ने कसा शिकंजा

अवैध प्लाटिंग पर चली सीलिंग और नोटिस की कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अवैध प्लाटिंग और अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन (जोन-1बी) की टीम ने मंगलवार को करीब 40500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए दो स्थानों पर सीलिंग और तीन स्थानों पर ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किए।

उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी/उप जिलाधिकारी डा0 रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई के तहत ग्राम सहजनी (देवारा शुक्लागंज, उन्नाव) में करीब 5000 वर्ग मीटर तथा ग्राम चिरान (कानपुर) में करीब 12000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र के की जा रही प्लाटिंग को सील कर दिया गया। दोनों परिसरों को संबंधित थानों की पुलिस अभिरक्षा में देने की प्रक्रिया जारी है।इसी क्रम में केडीए ने अवैध प्लाटिंग के तीन बड़े मामलों में ध्वस्तीकरण नोटिस जारी करते हुए निर्माणकर्ताओं को चेतावनी दी है। ग्राम बैरी अकबरपुर बांगर में करीब 10000 वर्ग मीटर, ग्राम बगदौदी बांगर कछार (मंधना) में करीब 3000 वर्ग मीटर तथा ग्राम बगदौधी बांगर में करीब 10000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हो रही प्लाटिंग के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। सभी को 15 दिन के भीतर स्वयं अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा प्राधिकरण पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण करेगा।इसके अलावा पत्रकारपुरम क्षेत्र में गंगा नगर हाउसिंग सोसाइटी के पास करीब 500 वर्ग मीटर में बने जी+4 अवैध भवन को चिन्हित कर धारा-27 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कार्रवाई के दौरान अवर अभियन्ता हिमांशु बर्नवाल समेत प्रवर्तन टीम और संबंधित थानों का पुलिस बल मौजूद रहा।केडीए अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्लाट या भूमि की खरीद से पहले प्राधिकरण से उसकी स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और मानचित्र स्वीकृत कराकर ही निर्माण कराएं, अन्यथा भविष्य में आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। साथ ही स्पष्ट किया गया कि अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कानपुर में 'आग उगलता' आसमान, पारा 40 के पार

» तेज धूप और शुष्क हवाओं ने बढ़ाई मुश्किलें, विशेषज्ञों ने जारी की चेतावनी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गर्मी अब खतरनाक स्तर पर पहुंचती जा रही है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान भी 22 डिग्री सेल्सियस रहा, यानी रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले चार दिनों तक लू का प्रकोप जारी रहेगा।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस समय हवा में नमी काफी कम है। अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता 40 प्रतिशत और न्यूनतम 18 प्रतिशत दर्ज की गई, जिससे वातावरण और अधिक शुष्क हो गया है। उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही हवाएं (औसत गति 4.1 किमी/घंटा) गर्मी को और तीखा बना रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आसमान पूरी तरह साफ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है, जिससे तापमान में और इजाफा हो सकता है।विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी का सीधा असर आम जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी पर भी पड़ रहा है। खेतों में नमी तेजी से खत्म हो रही है, जिससे फसलों को नुकसान का खतरा बढ़ गया है। वहीं शहर में दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा नजर आने लगा है। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी गर्मी से बेहाल दिख रहे हैं।डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इस तरह की भीषण गर्मी में लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और चक्कर आने जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ऐसे में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रहने की जरूरत है। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और छांव की व्यवस्था बढ़ाने की मांग भी तेज हो रही है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

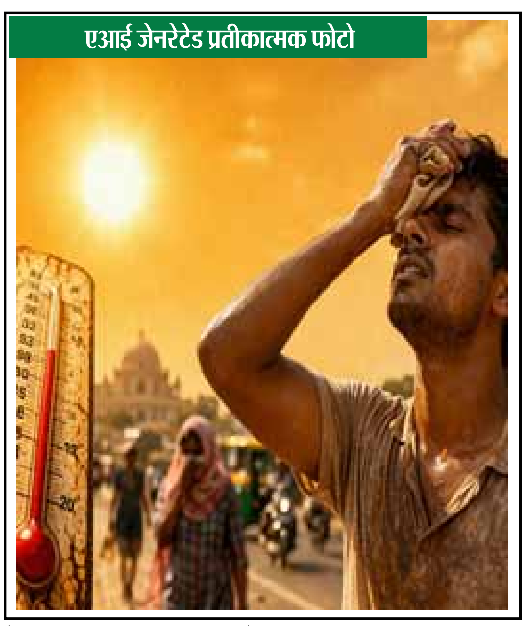

लू से बचाव के लिए क्या करें - क्या न करें

- 11 बजे से 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचें
- ज्यादा से ज्यादा पानी, ORS और तरल पदार्थ लें
- हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनें
- सिर को टोपी या गमछे से ढककर रखें
- घर से निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखें

क्या न करें

- खाली पेट या बिना पानी पिए बाहर न निकलें
- धूप में ज्यादा देर तक खड़े या काम न करें
- भारी और तैलीय भोजन से बचें
- बच्चों और बुजुर्गों को अकेला धूप में न भेजें
- लक्षण दिखने पर अनदेखी न करें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

पिछले 5 दिन का तापमान

दिनांक	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
17 अप्रैल	37.5	20.5
18 अप्रैल	38.2	21.0
19 अप्रैल	39.0	21.5
20 अप्रैल	39.5	21.8
21 अप्रैल	40.0	22.0

(नोटः तापमान डिग्री सेल्सियस में)

पूरे प्रदेश के स्कूलों का समय बदला

» 20 अप्रैल से सुबह 7:30 से 12:30 तक होंगी कक्षाएं

कानपुर। लगातार बढ़ती गर्मी के प्रकोप को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों के समय में बदलाव किया गया है। अब स्कूलों में पढ़ाई सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी। वहीं शिक्षकों को दोपहर 1:30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहना होगा। आदेश का उद्देश्य भीषण गर्मी से छात्रों को राहत देना और सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई सुनिश्चित करना है। नए समय निर्धारण से बच्चों को तेज धूप और लू से बचाव मिलेगा। संबंधित अधिकारियों ने सभी विद्यालयों को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

किदवईनगर में मकान में भीषण आग, 8 लोग सुरक्षित निकाले गए

किदवई नगर में आग का कहर, दमकल की तत्परता से टली बड़ी त्रासदी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। किदवई नगर इलाके के वाई ब्लॉक में सोमवार रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक रिहायशी मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते लपटें पूरे मकान को अपनी चपेट में लेने लगीं और घना धुआं आसपास के इलाके में फैल गया। हालात ऐसे हो गए कि पड़ोसी भी डर के मारे अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल विभाग हरकत में आया और तुरंत चार गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने पहुंचते ही हालात की गंभीरता को भांपते हुए बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। आग की ऊंची लपटें और दम घोंटने वाला धुआं राहत कार्य में बड़ी बाधा बन रहा था, लेकिन इसके बावजूद फायर कर्मियों ने साहस का परिचय देते हुए अंदर फंसे लोगों तक पहुंच बनाई। करीब एक घंटे तक चले इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन के दौरान कुल 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह राहत की बात रही कि समय रहते सभी को बचा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई। यदि बचाव कार्य में थोड़ी भी देरी होती, तो यह घटना एक बड़ी त्रासदी में बदल सकती थी। दमकल टीम ने मकान को चारों ओर से घेरकर लगातार पानी की बौछारें कीं, जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने में एक घंटे से अधिक का समय लगा। इस दौरान पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा और लोग घटना स्थल के आसपास जमा हो गए। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या बिजली से जुड़ी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मामले की गहन जांच में जुटी हैं। साथ ही नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। यह घटना एक बार फिर शहरी इलाकों में अग्नि सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को उजागर करती है। हालांकि समय पर पहुंची दमकल टीम की मुस्तैदी ने एक बड़ी जनहानि को टाल दिया और आठ जिंदगियों को सुरक्षित बचा लिया।

कैसे टली बड़ी त्रासदी

- घर में 8 लोग आग में फंसे थे
- दमकल ने 1 घंटे में सभी को सुरक्षित निकाला
- समय पर सूचना और त्वरित कार्रवाई बनी जीवन रक्षक
- देरी होती तो जनहानि होना तय थी

रेस्क्यू ऑपरेशन की चुनौतियां

- घना धुआं और ऊंची लपटें
- अंदर फंसे लोगों तक पहुंचना मुश्किल
- सीमित समय में राहत कार्य का दबाव
- दमकल कर्मियों ने जोखिम उठाकर बचाई जानें

आग से बचाव के जरूरी उपाय

- घरों में वायरिंग की नियमित जांच कराएं
- ओवरलोडिंग से बचें, एक सॉकेट पर ज्यादा उपकरण न लगाएं
- अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) घर में रखें
- आपात स्थिति में तुरंत दमकल को सूचना दें

नकली जेवरों ने तोड़ी शादी

बारात बैरंग लौटी, गुजैनी में हंगामा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र में एक शादी उस वक्त टूट गई जब बारात पक्ष द्वारा लाए गए जेवरों को नकली बताए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। खुशी के माहौल में शुरू हुआ समारोह देखते ही देखते हंगामे में बदल गया और आखिरकार लड़की पक्ष ने शादी से साफ इनकार कर दिया।

बताया जा रहा है कि बारात धूमधाम से पहुंची थी और स्वागत की सभी तैयारियां पूरी थीं। इसी बीच रस्मों के दौरान लड़की पक्ष को संदेह हुआ कि लड़के वालों द्वारा दिए गए सोने के जेवर असली नहीं हैं। जांच कराने पर शक गहरा गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

लड़की पक्ष का आरोप है कि उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया, लेकिन बदले में उन्हें धोखा मिला। परिजनों का कहना है कि जब शुरुआत ही छल से हो रही है, तो आगे बेटी का जीवन सुरक्षित नहीं रह सकता। इसी सोच के साथ उन्होंने शादी तोड़ने का कड़ा निर्णय लिया।

➪ दहेज के बाद भी फर्जी गहने लाने का आरोप, लड़की पक्ष ने बेटी के भविष्य को देखते हुए लिया बड़ा फैसला

वहीं, लड़के पक्ष ने आरोपों को खारिज करते हुए सफाई देने की कोशिश की, लेकिन मामला इतना बिगड़ चुका था कि समझौते की कोई गुंजाइश नहीं बची। शादी स्थल पर मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस घटना ने एक बार फिर शादी-ब्याह में दिखावे और लेन-देन की कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया है। पुलिस को भी सूचना दी गई, हालांकि दोनों पक्षों ने आपसी स्तर पर मामला निपटाने की बात कही है। इस पूरे घटनाक्रम ने इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया है, जहां लोग इसे सामाजिक चेतावनी के तौर पर देख रहे हैं।

गांव-गांव पहुंची प्रशासनिक टीम, मौके पर सुलझे विवाद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ डीएम के निर्देश पर कार्रवाई तेज, खेत में गंदा पानी रोका, रास्तों और जमीन के विवादों का निस्तारण

कानपुर। संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए गांवों में पहुंचकर त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर रविवार को एसडीएम नरवल विवेक मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने कई गांवों में पहुंचकर आधा दर्जन मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। इससे लोगों को तत्काल राहत मिली और लंबे समय से चल रहे विवाद खत्म हो गए।

18 अप्रैल को आयोजित समाधान दिवस में आए प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई करते हुए टीम ने सीधे मौके पर जाकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया। ग्राम सरसौल में एक शिकायत पर खेत में बह रहे होटल के गंदे पानी को तुरंत बंद कराया गया, जिससे किसान को बड़ी राहत मिली।

वहीं ग्राम हाथीपुर में मिलन केंद्र की जमीन को लेकर चल रहे विवाद को उपजिलाधिकारी, नायब तहसीलदार और लेखपाल की मौजूदगी में सुलझा लिया गया और जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित कर दी गई। ग्राम बरईगढ़ में ग्राम समाज की

भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर राजस्व टीम ने चिन्हांकन कराकर अवैध निर्माण रुकवाया। साथ ही रास्ते की पैमाइश कर सीमांकन किया गया, जिससे विवाद समाप्त हो गया। ग्राम कुढगांव में भी चकमार्ग की पैमाइश कर आवागमन का रास्ता साफ कराया गया।

एसडीएम विवेक मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी मामलों का मौके पर निस्तारण किया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से निपटाया जाए, ताकि लोगों को बिना देरी के न्याय मिल सके।

महंगे सोने के बीच 'लाइट वेट ज्वैलरी' का ट्रेंड तेज, छोटे गहनों की बढ़ी मांग

त्योहार और शादी सीजन में 1 से 10 ग्राम तक के गहनों की बिक्री में उछाल, किफायती विकल्पों की ओर झुकाव

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। सोने की लगातार बढ़ती कीमतों ने इस बार त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में ज्वैलरी बाजार का ट्रेंड बदल दिया है। भारी-भरकम गहनों की जगह अब लोग हल्के और किफायती विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसका सीधा असर बाजार में लाइट वेट ज्वैलरी की बढ़ती मांग के रूप में दिख रहा है।

अखिल भारतीय स्वर्ण कार विकास परिषद के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जायसवाल के अनुसार, सोने के दामों में उछाल के कारण ग्राहक अब कम वजन के गहनों की ओर तेजी से शिफ्ट हो रहे हैं। खासतौर पर गिफ्ट और शादी-विवाह में देने के लिए 1 से 2 ग्राम की अंगूठियां, 2 से 4 ग्राम की झुमकी और 3 से 6 ग्राम के बीच के मंगलसूत्र ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।बाजार में 10 ग्राम तक की हल्की ज्वैलरी की रेंज सबसे ज्यादा बिक रही है। पहले जहां लोग भारी हार और मोटे कंगन खरीदते थे, अब उनकी जगह डिजाइनर और हल्के गहनों ने ले ली है। इससे न सिर्फ बजट पर दबाव कम पड़ता है, बल्कि पहनने में भी सुविधा रहती है।

इसी के साथ इटालियन ज्वैलरी और पेपर ज्वैलरी जैसे नए ट्रेंड भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये गहने देखने में आकर्षक होते हैं और कीमत के लिहाज से भी आम लोगों की पहुंच में होते हैं। युवाओं के बीच खासकर इनका क्रेज बढ़ा है, क्योंकि वे स्टाइल और बजट दोनों का संतुलन चाहते हैं। ज्वैलरी कारोबारियों का कहना है कि ग्राहकों की सोच में भी बदलाव आया है। अब लोग एक भारी गहना खरीदने के बजाय कई छोटे-छोटे डिजाइनर गहने लेना पसंद कर रहे हैं, ताकि अलग-अलग मौकों पर उन्हें पहना जा सके।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि सोने की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहीं तो आने वाले समय में लाइट वेट ज्वैलरी का यह ट्रेंड और मजबूत होगा। इससे बाजार में नए डिजाइन, आधुनिक कारीगरी और किफायती विकल्पों की संख्या भी बढ़ेगी। कुल मिलाकर, महंगे सोने के दौर में ÷कम वजन, ज्यादा डिजाइन÷ का फॉर्मूला ही इस सीजन में ज्वैलरी बाजार की नई पहचान बनता नजर आ रहा है।

» **बजट फ्रेंडली ट्रेंड:-** मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए हल्की ज्वैलरी सबसे बड़ा सहारा बन रही है, जिससे परंपरा भी निभ रही है और खर्च भी नियंत्रित रहता है।

» **डेली यूज की बढ़ती मांग:-** ऑफिस जाने वाली महिलाओं और युवतियों में रोज पहनने योग्य हल्के गहनों की मांग तेजी से बढ़ी है।

» **रीसेल वैल्यू का ध्यान:-**कम वजन के बावजूद लोग ऐसे डिजाइन चुन रहे हैं जिनकी भविष्य में अच्छी रीसेल वैल्यू बनी रहे।

» **मेकिंग चार्ज पर फोकस:-**ग्राहक अब केवल सोने की कीमत ही नहीं, बल्कि मेकिंग चार्ज को भी ध्यान में रखकर खरीदारी कर रहे हैं।

» **ऑनलाइन ज्वैलरी शॉपिंग का असर:-**

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर हल्के गहनों की बड़ी रेंज मिलने से यह ट्रेंड और मजबूत हुआ है।

» **यंग जेनरेशन का झुकाव:-**नई पीढ़ी भारी पारंपरिक गहनों से हटकर मिनिमल और ट्रेंडी डिजाइन को ज्यादा पसंद कर रही है।

» **कस्टमाइजेशन की डिमांड:-** ग्राहक अपनी पसंद और बजट के हिसाब से हल्के गहनों को कस्टमाइज करवा रहे हैं, जिससे बाजार में वैरायटी बढ़ रही है।

» **सेफ्टी फैक्टर:-**भारी गहनों के मुकाबले हल्की ज्वैलरी को पहनना और संभालना ज्यादा सुरक्षित माना जा रहा है।

» **गिफ्टिंग में बदलाव:-** अब शादियों और त्योहारों में भारी सेट की जगह छोटी-छोटी ज्वैलरी आइटम्स गिफ्ट करने का चलन बढ़ा है।

» **कारीगरों के लिए नया अवसर:-** हल्के और डिजाइनर गहनों की मांग बढ़ने से ज्वैलरी कारीगरों को नए प्रयोग और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

बिरहर में 5 जोड़ों ने थामा जीवन भर के लिए हाथ

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

» सामूहिक विवाह समारोह में उमड़ा जनसैलाब

कानपुर (भीतरगांव)। साढ क्षेत्र के बिरहर स्थित मां भद्रकाली मंदिर परिसर में सोमवार को सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री विष्णु फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।कार्यक्रम में 5 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक-दूसरे का हाथ थामकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में समाजसेवी शिवम यादव का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम को भव्य स्वरूप मिला।समारोह की खास बात यह रही कि फाउंडेशन की ओर से सभी नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का संपूर्ण सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। साथ ही प्रत्येक जोड़े को 5-5 सोने के आभूषण सहित आवश्यक सामग्री भेंट कर उन्हें आशीर्वाद के साथ विदा किया गया।विवाह बंधन में बंधने वाले जोड़ों में जय कुमार-दीपिका, अमन कुमार-श्रेया, सुरजीत-आकांक्षा, अनुज-रोली तथा मनोज-सिमरन कौर शामिल रहे। कार्यक्रम में विष्णु स्वरूप अवस्थी, सत्यम अवस्थी, शिवम यादव, आशीष द्विवेदी और रमा शंकर बाजपेई समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि एक दिन पूर्व अक्षय तृतीया के अवसर पर इसी परिसर में यज्ञोपवीत संस्कार का भी आयोजन किया गया था। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि इस प्रकार के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते रहेंगे।समारोह के दौरान नवदंपत्तियों को सुखमय दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं और समाज में सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों की सराहना की गई।

तेज रफ्तार बोलेरो का कहर

दरोगा समेत तीन को रौंदा, टेंट कारोबारी की दर्दनाक मौत

बेकाबू गाड़ी 800 मीटर तक मचाती रही तबाही, चालक मौके से फरार

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर सामने आया, जहां एक बेकाबू बोलेरो ने दरोगा समेत तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में एक टेंट कारोबारी की मौत हो गई, जबकि दरोगा गंभीर रूप से घायल हैं।पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर रात टिकरा चौकी पर तैनात दरोगा प्रदीप कुमार (29) क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कल्याणपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दरोगा सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।बेकाबू बोलेरो यहीं नहीं रुकी और करीब 500 मीटर आगे बढ़ने के बाद उसने एक बाइक सवार और टेंट कारोबारी फूल सिंह कुशवाहा (45) को भी अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े। इसके बावजूद वाहन की रफ्तार कम नहीं हुई और करीब 300 मीटर आगे जाकर बोलेरो सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। फूल सिंह कुशवाहा की हालत बेहद गंभीर थी, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं दरोगा प्रदीप कुमार का निजी अस्पताल में इलाज जारी है और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। बाइक सवार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश में दबिश दी जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

सम्पादकीय

युवा प्रतिभाओं को खोना राष्ट्रीय क्षति

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है जिनकी प्राथमिकता अपने विषय और वेतन-भत्तों व सुविधाओं तक ही सीमित रह गई है। परवरिश के स्तर पर भी नहीं सिखाया जाता कि जीवन में बुरे से बुरा घटने पर बिना विचलित हुए कैसे उस चुनौती का सामना किया जाए। परिवार की उम्मीदों का बोझ ढोते, ये प्रतिभावान बच्चे जब असफलता के भय से ग्रस्त होते हैं तो आत्महत्या को अंतिम विकल्प के रूप में सोचने लगते हैं। ऐसी घटनाएं होने पर शिक्षण संस्थानों द्वारा फौरी तौर पर जो कदम उठाये जाते हैं, वे कारगर साबित नहीं होते।

स्त्रियों से राजनीतिक छल अब चलेगा नहीं

के.एस तोमर

स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं है, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर. स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं है, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी।

भारत में महिला आरक्षण को लेकर एक साथ कई सवाल हैं। पहला है कि संसद में संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया, या उसे पास कराने में किसी की दिलचस्पी नहीं थी? साफ है कि बीजेपी का इरादा इस मसले को उठाना, विरोधियों को उत्तेजित करना था, ताकि वे शोर मचाएं। भारतीय राजनीति विश्वसनीय नहीं है। सरकार जानती थी कि उसके साथ दो-तिहाई सदस्य नहीं हैं और आज के राजनीतिक हालात में उसे कतई आशा नहीं करनी चाहिए थी कि विरोधी राजनीति का कोई धड़ा उसके समर्थन में आता। तब फिर क्यों बिल पेश किया?फौरी तौर पर यह राजनीतिक तीर था, जो 'नारी-शक्ति' का लाभ उठाने के लिए चलाया गया था। संसद में जब बातें होती हैं, तब उन्हें गांव-गांव में सुना जाता है। विरोध में जितना शोर होगा, फायदा उतना ज्यादा होगा। उद्देश्य माहौल बनाना, नैरेटिव रचना या इसे जो भी कहें, उतना ही था। विरोधियों की दिलचस्पी भी कम से कम महिला आरक्षण में नहीं थी। परिसीमन को लेकर भी उनके तर्क विचित्र थे। इससे ज्यादा उनका इरादा भी कुछ नहीं था। बहरहाल, इसका विपरीत-प्रभाव भी होगा, जो समूची राजनीति को अपनी चपेट में लेगा।क्या महिलाओं को समझ में नहीं आ रहा है कि उन्हें छला जा रहा है? यह दीगर सवाल है कि इस विधेयक के परास्त होने का लाभ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव में मिलेगा या नहीं। असल बात यह है कि देश की राजनीति ने पिछले तीन दशक से 'नारी-शक्ति' को छला है। उसे बहुत ज्यादा छला नहीं जा सकेगा। स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक-गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी।सबसे पहले एचडी देवेगौड़ा सरकार ने 81वें संविधान संशोधन विधेयक, 1996 के रूप में 12 सितंबर, 1996 को महिला आरक्षण विधेयक, पेश किया था। विधेयक पेश तो हुआ, लेकिन राजनीतिक आम सहमति न बनने और गठबंधन सरकार के भीतर विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना पड़ा और 11वीं लोकसभा भंग होने के साथ ही लैप्स हो गया।

देश की राजनीति चाहती, तो देवेगौड़ा का बिल ही पास हो जाता।सरकार ने इसबार जो विधेयक पेश किया था, वह संसदीय सीटों के परिसीमन पर केंद्रित था। उसके विरोधियों का कहना है कि परिसीमन देश को तोड़ देगा।

वे कहते हैं कि 2023 के बिल को लागू करो। वर्ष 2023 के महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, इसे परिसीमन के बगैर लागू नहीं किया जा सकता। यह कानून विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होने की शर्त से बंधा हुआ है। परिसीमन रुकेगा तो आरक्षण भी रुकेगा।सरकार ने 2023 के बिल की अधिसूचना जारी कर दी है, ताकि वह लैप्स न हो। उसकी प्रक्रिया ठीक से चली भी तो 2034 के चुनाव के पहले आरक्षण लागू नहीं हो सकेगा। संभव है कि 2039 में लागू हो। क्या महिलाएं इतना लंबा इंतज़ार करेंगी? दरअसल, देश की पुरुष-संचालित राजनीति देख नहीं पा रही है कि महिलाएं धीरे-धीरे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभर कर आ रही हैं। यह ताकत अभी तक वोटर के रूप में है, पर जल्द ही नेतृत्व के लेवल पर भी दिखाई पड़ेगी।

हिमालयी पर्यावरण को तीर्थयात्रियों के दबाव से बचाएं

हिमालय की अति संवेदनशील पर्यावरणीय स्थिति को देखते हुए चारधाम यात्रा के लिए प्रतिदिन तीर्थयात्रियों की संख्या तय होनी जरूरी है। लेकिन स्थानीय हितधारकों के दबाव के चलते राज्य में यह सीमा एक बार लागू करके वापस ले ली गयी। बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के चलते सुरक्षा उपाय अनिवार्य हैं।

अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त से उत्तराखंड की चारधाम यात्रा ग्रीष्मकाल के लिए शुरू हो चुकी है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु ऑनलाइन यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। सवाल अभी भी अनुत्तरित है कि हिमालय की अति संवेदनशील पर्यावरणीय स्थिति को देखते हुए आखिर कितने तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा एक ही दिन में एक साथ कर सकते हैं।हरित प्राधिकरण यानी एनजीटी भी बार-बार उत्तराखंड सरकार पर जोर डाल रहा है कि वह चारों धामों की कैरीइंग कैपेसिटी (धारण क्षमता) का वैज्ञानिक अध्ययन करवाकर रिपोर्ट पेश करे ताकि कानूनन आगंतुकों की संख्या तय की जा सके। लेकिन होटल, ढाबा, पुजारियों और अन्य हितधारकों का इतना दबाव है कि उनकी नाराजगी से सीधे राजनीतिक संभावनाओं पर असर का जोखिम है। इसी दबाव के चलते 2022 में यात्रियों की तय सीमा को 2023 में स्वयं ही समाप्त कर दिया गया। लेकिन अब एनजीटी व पर्यावरणवादी इस मुद्दे को उठा रहे हैं।वैज्ञानिकों के अनुसार, पहले से ही बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के संकट से घिरे इस क्षेत्र पर त्रासदियों की संख्या और आवृत्तियों में वृद्धि होती जा रही है। हिमालय एशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही उपमहाद्वीप का मौसम नियंत्रक भी है, इसलिये हिमालय के संकट को मात्र स्थानिक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता।पिछले 25 साल में उत्तराखंड स्थित चारों हिमालयी धामों में यात्रियों के साथ ही वाहनों की संख्या भी कई गुना बढ़ती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कुल यात्रियों की

संख्या वर्ष 2025 में 51,09,848 तक पहुंच गई है। वहीं वाहनों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। वाहनों से जो प्रदूषणकारी उत्सर्जन होता है, उसमें कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, फोटोकैमिकल ऑक्सीडेंट, वायु विष यानी बेंजीन, एल्डिहाइड, ब्यूटाडीन, सीसा, पार्टिकुलेट मैटर, हाइड्रोकार्बन व सल्फर के ऑक्साइड आदि शामिल होते हैं। पर्यावरणविदों के लिए एक और चिंता का विषय ब्लैक कार्बन है, जो कि जलवायु परिवर्तन करने के साथ ही ग्लेशियरों को भी पिघला रहा है।एनजीटी ने उत्तराखंड सरकार को आगामी 21 जुलाई से पहले चारों धामों में भीड़ की दृष्टि से वहन क्षमता को लेकर वैज्ञानिक रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किया है। वास्तव में हिमालयी क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण की कवायद सदा से विवादों और दबावों के घेरे में रही है। राज्य सरकार ने 2022 में साहसिक निर्णय लेते हुए प्रतिदिन यात्रियों की संख्या निर्धारित की थी, जिसमें बद्रीनाथ के लिए 15 हजार और केदारनाथ के लिए 12 हजार जैसी सीमाएं तय थीं। इसे सुरक्षा की दिशा में मानक कदम माना गया था। लेकिन वर्ष 2023 आते-आते स्थानीय व्यावसायिक हितों और हितधारकों के आर्थिक दबाव के चलते यह सीमा हटा ली गई। होटल व्यवसायियों व परिवहन संचालकों की अल्पकालिक आर्थिक चिंताओं ने दीर्घकालिक सुरक्षा जोखिमों को पीछे धकेल दिया।वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और आईआईटी रुड़की के शोध इशारा करते हैं कि हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों की अपनी एक भौतिक सीमा है। वैज्ञानिकों का मत है कि प्रत्येक धाम की भौगोलिक बनावट, ढलानों की स्थिरता और वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन भिन्न हैं। आईआईटी रुड़की के आपदा विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अत्यधिक मानवीय गतिविधियों और भारी निर्माण कार्य से ढलानों की 'इंटरनल बाइंडिंग' कमजोर होती है, जिससे भूस्खलन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। जब इन अस्थिर ढलानों पर वाहनों और लोगों का अतिरिक्त भार पड़ता है, तो यह किसी बड़े भूगर्भीय असंतुलन का ट्रिगर बन सकता है।

भीड़ का प्रभाव केवल सड़कों पर जाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके वैज्ञानिक दुष्परिणाम कहीं अधिक गहरे हैं। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी के शोध बताते हैं कि अचानक बढ़ने वाली जनसंख्या से हिमालयी जल स्रोतों और स्प्रिंग्स (नौलेधारों) पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।

जाम में 'अटक' गए दूल्हे राजा बारातियों की धड़कनें बढ़ीं

पापा होटल से नानामऊ तिराहा और मकनपुर रोड तक थमा ट्रैफिक, तीन-तीन दूल्हे बारात संग घंटों 'रेंगते' रहे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। सोमवार की रात करीब 9 बजे बिल्हौर की सड़कों पर ऐसा जाम लगा कि खुशियों की रफ्तार थम गई। पापा होटल से लेकर नानामऊ तिराहा, मकनपुर मोड़ और केजीएन पेट्रोल पंप तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई इस दौरान तीन दूल्हे अपनी-अपनी बारातों के साथ जाम में फंस गए।

➪ **गेस्ट हाउसों में एक साथ बारातों ने बढ़ाई भीड़, आड़े-तिरछे खड़े वाहनों ने हालात किए बेकाबू**

एक बारात तिर्वा, दूसरी मकनपुर और तीसरी कन्नौज जा रही थी, लेकिन भारी जाम के चलते सभी को घंटों तक सड़क पर ही रुकना पड़ा। दूल्हे राजा से लेकर बारातियों तक हर कोई समय को लेकर चिंतित नजर आया। गाड़ियों में बैठे लोग बार-बार घड़ी देखते रहे और रास्ता खुलने का इंतजार करते रहे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इलाके के तीन गेस्ट हाउसो में एक साथ बारातें होने से अचानक भीड़ बढ़ गई। वहीं, सड़क किनारे आड़े-तिरछे खड़े वाहनों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। नतीजा यह रहा कि शादी की खुशियां जाम में फंस गईं और दूल्हों को अपनी ही बारात समय पर पहुंचाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। पुलिस के पहुंचने के बाद यातायात व्यवस्था पूरी तरह सामान्य हो सकी।

कहे थे जल्दी निकल चलौ

जाम में फंसी गाड़ी में एक मेहरारू अपने पति को जमकर सुना रही थी कहे थे जल्दी हाइवे से निकल चलौ, अब देखौ फंस गए न... पति बेचारा सफाई देता रहा, और पत्नी को चुप कराता रहा। लेकिन जाम जस का तस। गाड़ी में बैठी मेहरारू की बात सुनके आसपास वाले भी मुस्कुराते दिखे। देर होती देख झुंझलाहट सबके चेहरे पर साफ नजर आई।

जाम में फंसी एम्बुलेंस, सायरन बजता रहा

शादी की भीड़ से लगे जाम में एक एम्बुलेंस भी फंस गई। सायरन लगातार बजता रहा, लेकिन वाहनों की लंबी कतार के बीच उसे रास्ता नहीं मिल सका। काफी देर तक एम्बुलेंस जाम में ही अटकी रही, जिससे मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने को लेकर चिंता बनी रही।

डायल 112 भी फंसी, सिपाही मुस्कुराते रहे

भीषण जाम के बीच आपात सेवा डायल 112 की गाड़ी भी लंबी कतार में फंस गई। सायरन बजता रहा, लेकिन रास्ता नहीं मिल सका। इस दौरान मौके पर मौजूद एक सिपाही से जब जाम को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ बात को टाल दिया और आगे व्यवस्था सुधारने की कोशिश में जुट गए।

नौगजा पीर उर्स 17 मई से, 20 को कुल शरीफ के साथ होगा समापन

बैठक कर चर्चा करते उर्स कमेटी के सदस्य

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर स्थित प्रसिद्ध दरगाह दरगाह हजरत बाबा इब्राहिम शहीद नौगजा पीर के सालाना उर्स की तिथियों की घोषणा रविवार को उर्स इंतजामिया कमेटी की बैठक में की गई।

कमेटी के अनुसार उर्स का शुभारंभ 17 मई 2026 से होगा। 18 एवं 19 मई को जवाबी कव्वाली के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि 20 मई को कुल शरीफ की रस्म के साथ उर्स का समापन होगा।कमेटी के सदस्य नूर इदरीसी ने बताया कि उर्स में हर वर्ष की तरह इस बार भी विभिन्न धर्मों एवं

➪ **18 व 19 मई को जवाबी कव्वाली होगा आकर्षण का केंद्र**

समुदायों के श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जायरीनों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। बैठक में मेला कमेटी के महबूब, प्यारे खां, फुरकान खां, मेराज, अनवर कुरैशी राजा, लाले खां, महताब, नज्जू हाफिज,सरदार टेलर,नियाजुद्दीन, इरफान, सिराज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सपा पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी पर जानलेवा हमला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में सोमवार रात राधन से समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी हरेंद्र बहादुर गौतम पर इलाके के कुछ दबँगो ने जानलेवा हमला कर दिया गया।

पीड़ित हरेंद्र बहादुर के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे डोड़वा-जमौली गांव के पास मुंह ढके आधा दर्जन हमलावरों ने कार से पीछा कर उनकी गाड़ी को रास्ते में रोक लिया। जैसे ही वह वाहन से उतरे, हमलावरों ने उन पर हमला बोल दिया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावर वैन और बाइक से लगातार उनका पीछा कर रहे थे और पूरी घटना सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई। किसी तरह जान बचाकर वह मौके से निकलकर बिल्हौर

➪ **पुरानी रंजिश में हमला व समझौते का दबाव बनाने का आरोप**

थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने विशाल गौतम,विशाल अनीस समेत अज्ञात लोगों पर रेकी कर हमला कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि यह घटना पुराने मुकदमे की रंजिश का नतीजा है और कोर्ट में चल रहे मामले में समझौते का दबाव बनाने के लिए हमला कराया गया।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईवे के पास घेराबंदी कर बाइक चोर दबोचा, चोरी की बाइक बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी की गई बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी को कानपुर-अलीगढ़ हाईवे स्थित चण्डाली अंडरपास के पास से दबोचा और विधिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक कन्नौज के काजी टोला निवासी विकास की बाइक कुछ दिन पहले बिल्हौर क्षेत्र से चोरी हो गई थी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने

➪ **सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान, पहले से कई मुकदमे दर्ज**

मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी के निर्देश पर गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चण्डाली अंडरपास के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर चोरी की बाइक भी बरामद कर ली गई। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ बिल्हौर थाने में पहले से करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी सुधीर कुमार, उपनिरीक्षक संजय सिंह, उपनिरीक्षक वेद प्रकाश और दो कांस्टेबल शामिल रहे।

नारी शक्ति का हुंकार: लखनऊ में महिला आरक्षण पर विपक्ष घिरा

हजारों महिलाओं के जनाक्रोश मार्च में सपा-कांग्रेस पर महिला विरोधी होने के लगे आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ मंगलवार को 'नारी शक्ति' के बड़े शक्ति प्रदर्शन का साक्षी बनी, जब महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने विशाल जनाक्रोश मार्च निकाला। हजारों की संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने इस प्रदर्शन को एक मजबूत राजनीतिक संदेश में बदल दिया, जिसमें विपक्ष खासकर सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा गया।

यह मार्च मुख्यमंत्री आवास 5, कालिदास मार्ग से शुरू होकर सिविल अस्पताल, हजरतगंज चौराहा होते हुए विधान भवन तक पहुंचा। पूरे मार्ग में महिलाओं का उत्साह और जोश देखते ही बन रहा था। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाएं महिला आरक्षण के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद करती नजर आईं।

सपा-कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उन्हें महिला विरोधी करार दिया गया।मार्च की शुरुआत और समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन कुछ दल संकीर्ण सोच के चलते इस ऐतिहासिक पहल में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर की महिलाओं में ऐसे दलों के खिलाफ गहरा आक्रोश है, जो उनके सशक्तिकरण के रास्ते में रोड़े अटका रहे हैं।

इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं ने मंच से विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप दोहराया और महिलाओं से आगामी चुनावों में सपा-कांग्रेस का विरोध करने की अपील की।

मार्च के दौरान शहर के प्रमुख इलाकों में भारी भीड़ के चलते प्रशासन को व्यापक सुरक्षा इंतजाम करने पड़े। कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया ताकि आम जनजीवन प्रभावित न हो। पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी के बीच कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। विधान भवन के सामने मार्च के समापन के साथ ही महिलाओं ने एकजुटता का संदेश दिया और महिला आरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस शक्ति प्रदर्शन ने न केवल राजनीतिक माहौल को गरमाया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि महिला आरक्षण का मुद्दा आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभा सकता है।

'खर्च नहीं उठा सकते तो शादी न करें' पति की याचिका खारिज

आर्थिक तंगी का बहाना नामंजूर, पत्नी-बच्चों का खर्च उठाना कानूनी जिम्मेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में अहम टिप्पणी करते हुए पति की याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कोई भी पुरुष अपनी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर पत्नी और बच्चों के खर्च से नहीं बच सकता।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने कहा कि विवाह के बाद पत्नी का भरण-पोषण करना पति की कानूनी जिम्मेदारी है। यदि कोई व्यक्ति यह महसूस करता है कि वह वैवाहिक जीवन में उत्पन्न परिस्थितियों में खर्च नहीं उठा पाएगा, तो उसे शुरुआत में ही शादी नहीं करनी चाहिए थी।मामला पति तेज बहादुर की ओर से दाखिल याचिका से जुड़ा था, जिसमें उसने परिवार न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण के रूप में 4,000 रुपये देने का निर्देश दिया गया था। पति ने अपनी आर्थिक स्थिति कमजोर बताते हुए आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी।

हालांकि, हाईकोर्ट ने पाया कि परिवार न्यायालय ने सभी तथ्यों और पक्षों की दलीलों पर विचार किया था।

पत्नी ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उसके पास आय का कोई स्वतंत्र स्रोत नहीं है और वह बच्चों के भरण-पोषण का बोझ उठा रही है।इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को सही ठहराया और पति की अपील खारिज कर दी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जीवन-यापन की बढ़ती लागत को देखते हुए निर्धारित भरण-पोषण राशि को अधिक नहीं माना जा सकता।

तपती धरती पर इंसानियत की ठंडक

मां पीतांबरा हॉस्पिटल ने बांटा राहत का शरबत, राहगीरों को मिली ठंडक

लोगों को को रोक-रोक कर ठंडा शरबत पिलाया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़क पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। ऐसे कठिन समय में मां पीतांबरा हॉस्पिटल की संचालिका एवं समाजसेविका डॉक्टर सीता यादव ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए सराहनीय पहल की।

डॉक्टर सीता यादव ने अपनी टीम के साथ सड़क पर उतरकर शरबत वितरण अभियान चलाया। इस दौरान राहगीरों, मजदूरों, रिक्शा चालकों, बस, मैजिक और ऑटो सवार यात्रियों को रोक-रोक कर ठंडा शरबत पिलाया गया। तपती धूप में प्यास से बेहाल लोगों के लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं रही। शरबत पीते ही लोगों के चेहरों पर सुकून और राहत साफ झलकने लगी।

इस सेवा अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण किया और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने डॉक्टर सीता यादव के इस सेवा भाव की जमकर सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें समाज को नई दिशा देती हैं और दूसरों को भी प्रेरित करती हैं। डॉक्टर सीता यादव ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में राहगीरों को राहत पहुंचाना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है और आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्य जारी रहेंगे।

इस मौके पर डॉक्टर सीता यादव के साथ महेंद्र पाल (शिक्षक), सुमित यादव, जयंती, नेहा, बीना, स्वाती, प्रिया, अमन, सतीश, आयुष, नमन सहित मां पीतांबरा हॉस्पिटल के अन्य कर्मचारी एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे, जिन्होंने पूरी निष्ठा के साथ सेवा कार्य में भागीदारी निभाई। यह पहल केवल शरबत वितरण नहीं, बल्कि इंसानियत और सेवा भाव का जीवंत उदाहरण बनकर उभरी।

एक बेड पर दो मरीज: सलेमपुर सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

भीषण गर्मी में मरीजों की बाढ़, सीमित संसाधनों ने बढ़ाई मुश्किलें, संक्रमण का खतरा गहराया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर नगर पंचायत क्षेत्र के सलेमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। भीषण गर्मी के चलते मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अस्पताल में बेड और स्टाफ की कमी के कारण व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमराती नजर आ रही हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि एक ही बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य मानकों के विपरीत होने के साथ संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा रहा है।

सोमवार को सीएचसी में लगभग 55 मरीजों का इलाज किया गया, जबकि अस्पताल में महज 10 बेड उपलब्ध हैं। मजबूरी में एक बेड पर दो मरीजों को लिटाकर ड्रिप चढ़ाई जा रही है।

इससे मरीजों को असुविधा के साथ-साथ संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा बना हुआ है। तीमारदारों को भी बैठने और ठहरने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिल पा रही, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आर.पी. सागर के अनुसार, इन दिनों ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

तेज गर्मी और लू के कारण बुखार, खांसी, पेट दर्द, उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन के मरीज अधिक संख्या में पहुंच रहे हैं। सुबह से ही अस्पताल में लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे डॉक्टरों और कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

वर्तमान में सीएचसी में डॉ. आर.पी. सागर, डॉ. ध्रुव सिंह, फार्मासिस्ट अरुण कुमार, एक्स-रे टेक्नीशियन पिंटू यादव तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कपिल सचान और अजय कुमार ही पूरी व्यवस्था संभाल रहे हैं। सीमित स्टाफ के कारण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा और कई बार गंभीर मरीजों को भी इंतजार करना पड़ता है।

गर्मी और भीड़ के बीच अस्पताल का माहौल अव्यवस्थित हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी जताते हुए बेड और स्टाफ बढ़ाने की मांग की है।

उनका कहना है कि क्षेत्र की बड़ी आबादी इस अस्पताल पर निर्भर है, ऐसे में सुविधाओं का विस्तार बेहद जरूरी है।

राजपुर ब्लॉक के नोडल डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने बताया कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसमें अतिरिक्त बेड, डॉक्टर और अन्य स्टाफ की मांग की जाएगी, ताकि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।

- सीएचसी में 10 बेड पर 55 मरीजों का इलाज
- एक ही बेड पर दो मरीजों को भर्ती करने की मजबूरी
- लू और गर्मी से जुड़े मरीजों की संख्या में तेजी
- सीमित स्टाफ पर बढ़ता काम का दबाव
- मरीजों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ा
- तीमारदारों के लिए बैठने-ठहरने की व्यवस्था का अभाव
- स्वास्थ्य विभाग से संसाधन बढ़ाने की मांग

कई दिनों से हो रही थी पानी की बर्बादी, थोड़ी देर में ठीक कराया लीकेज

» राजपुर में नगर पंचायत की सक्रियता से रुकी पानी की बर्बादी, मिली लोगों को राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर नगर पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से पाइपलाइन लीकेज के कारण हो रही पानी की बर्बादी को नगर पंचायत प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई कर नियंत्रित कर दिया। अधिकारियों की सक्रियता और तत्परता के चलते अब न केवल हजारों लीटर पानी की बर्बादी पर रोक लगी है, बल्कि क्षेत्र में जल आपूर्ति भी सुचारु रूप से बहाल हो गई है।

दमनपुर मार्ग स्थित वार्ड नंबर 1, पटेल नगर में अशोक कुशवाहा के घर के पास पाइपलाइन में लीकेज की समस्या बनी हुई थी। इस कारण लगातार पानी बह रहा था और कई घरों तक पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही थी। गर्मी के मौसम में यह समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई थी। स्थानीय निवासियों ने नगर पंचायत में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ताओं में अशोक कुमार, राजा कुशवाहा, लल्ला कुशवाहा और कन्हैया कुमार शामिल रहे। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी (ईओ) नीति त्रिपाठी ने तत्काल संज्ञान लिया। ईओ के निर्देश पर नगर पंचायत की टीम मौके पर पहुंची और लीकेज की जांच कर मरम्मत कार्य शुरू कराया। कुछ ही समय में पाइपलाइन दुरुस्त कर दी गई, जिससे पानी की अनावश्यक बर्बादी पूरी तरह रुक गई। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जलापूर्ति सामान्य हो गई है और लोगों को राहत मिली है। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी नीति त्रिपाठी ने कहा कि नगर पंचायत का प्राथमिक लक्ष्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है, ताकि आमजन को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

करंट लगने से किसान की मौत, गुस्साए ग्रामीणों का बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

ट्रैक्टर ट्राली खाली करते समय वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के वैना गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में किसान की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जैनपुर पावर हाउस पहुंचकर बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार वैना गांव निवासी अमित सविता खेत से भूसा भरी ट्राली लेकर गांव लौटे थे। ट्राली खाली करते समय वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं गुस्साए दो दर्जन से अधिक ग्रामीण जैनपुर पावर हाउस पहुंच गए और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह हादसा विभाग की लापरवाही का नतीजा है। उनका कहना है कि क्षेत्र में कई जगहों पर हाईटेंशन लाइनें काफी नीचे झूल रही हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शटडाउन के दौरान भी अचानक लाइन में करंट आने की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे कर्मचारियों और आम लोगों की जान जोखिम में पड़ती है।प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। काफी देर तक चले हंगामे के बाद अधिकारियों के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। इस संबंध में राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

थ्रेसर में साड़ी फंसने से महिला गंभीर रूप से घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के चौकी गांव में सोमवार शाम गेहूं की मड़ाई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। थ्रेसर मशीन में साड़ी फंसने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिससे गांव में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार चौकी गांव निवासी सुनील कुमार अपनी पत्नी सोनी देवी के साथ खेत में गेहूं की मड़ाई करवा रहे थे। इसी दौरान अचानक सोनी देवी की साड़ी चल रही थ्रेसर मशीन में फंस गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के समय खेत में मौजूद लोगों ने तुरंत मशीन बंद कराई और महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए पुखरायां सीएचसी लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पोषण जागरूकता का संदेश लेकर निकली रैली

उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड अकबरपुर सभागार में आठवें पोषण पखवाड़ा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अकबरपुर की 150 तथा शहर स्लम क्षेत्र की 40 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख आशीष मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी अकबरपुर संध्या शर्मा ने की, जबकि शहर स्लम की बाल विकास परियोजना अधिकारी नीना गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख आशीष मिश्रा द्वारा एक शिशु का अन्नप्राशन संस्कार एवं जन्मोत्सव मनाया गया। इसके साथ ही रेसिपी, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया।समारोह के उपरांत पोषण पखवाड़ा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में ÷सही पोषण, देश रोशन÷ जैसे नारों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम बदन सिंह द्वारा प्रीति की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई गई। कार्यक्रम में मातृ एवं शिशु पोषण, 0 से 3 वर्ष तक बच्चों के मस्तिष्क विकास हेतु प्रारंभिक प्रोत्साहन, 3 से 6 वर्ष तक खेल आधारित शिक्षा, स्क्रीन टाइम कम करने में अभिभावकों की भूमिका तथा सामुदायिक सहभागिता से आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि नई तकनीकों के साथ कदम मिलाकर ही पोषण संबंधी योजनाओं के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है। वहीं संचालिका शैलेश दीक्षित ने गोदभराई कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सुपरवाइजर अरूणा देवी, आर्या मिश्रा, सरोज, प्रीति, संजू, विमला, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्वेता शर्मा सहित आशीष, विनयशंकर पांडे, सुनीता पाल, मुन्नी पाल, अरूणा तिवारी, रेखा, ममता, निशा, अनीता, विजय लक्ष्मी, शकुन्तला, रीना सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

'गंगा की पुकार' कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान, जल बचाने की दिलाई लोगों को शपथ

» रसूलाबाद में विकास सिंह भोले ने फर्नीचर शोरूम का किया उद्घाटन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। तेजी से घटते जल स्तर और बढ़ते संकट को देखते हुए अब हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। ÷अगर आज नहीं चेते, तो आने वाला कल संकट से भरा होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों में पानी की बचत करें, वर्षा जल संचयन अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यह बात कस्बे में नए फर्नीचर शोरूम का स्वामी विवेकानंद युवा मंच के अध्यक्ष एवं सांसद पुत्र विकास सिंह भोले ने उद्घाटन करते हुए कही। इस दौरान क्षेत्र के लोगों, युवाओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे कार्यक्रम में उत्साह चरम पर रहा। उन्होंने सिर्फ औपचारिक बातें नहीं कीं, बल्कि एक गंभीर मुद्दे जल संरक्षण को केंद्र में रखते हुए लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान विकास सिंह भोले ने 26 अप्रैल को कानपुर के ड्योढ़ी घाट पर होने वाले ÷गंगा की पुकार÷ आयोजन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस खास कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध जलपुरुष और मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित राजेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर इस जनजागरण अभियान को मजबूत करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प लिया गया और पूरे वातावरण में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना साफ दिखाई दी। ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह, आजाद अली, पिंकी श्रीवास्तव, एडवोकेट हारून अली, राममहेश वर्मा, देशराज कुशवाहा, हरगोविंद सिंह, अरुण दुबे, सूर्यांश मिश्रा रानू, बीटू चंदेल, तोषू ठाकुर, संदीप मिश्रा, अनिल राठौर, सुनील कुमार, आभाष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

जैनपुर में कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो किशोर गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।राजपुर थाना क्षेत्र के जैनपुर मुगलमार्ग पर मंगलवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जब एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो किशोरों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे और मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार लोग सट्टी क्षेत्र से एक शादी समारोह में शामिल होकर औरैया की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान जैनपुर के पास उनकी कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान वैना गांव निवासी सत्यम (15) पुत्र सत्यनारायण और प्रशांत (17) पुत्र सत्येंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉ. मनोज सर्राफ ने प्राथमिक उपचार किया। लेकिन हालत गंभीर होने के चलते डॉक्टरों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जूते पहनकर 'श्रद्धांजलि'! वर्दी पर लगा दाग, वायरल फोटो से लोगो में रोष

वायरल फोटो

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

संविधान निर्माता के सम्मान पर सवाल, दरोगा की हरकत से सुलगा अंबेडकरनगर, कार्रवाई की मांग तेज

अंबेडकरनगर। वर्दी की जिम्मेदारी जब संवेदनहीनता में बदल जाए तो तस्वीरें सिर्फ वायरल नहीं होतीं, व्यवस्था का आईना बन जाती हैं। शुभम यादव नाम के दरोगा की एक ऐसी ही फोटो ने जिले की फिजा गरमा दी है, जिसमें वह डॉ. भीमराव अंबेडकर की फोटो पर जूते पहनकर माल्यार्पण करते नजर आ रहे हैं। वायरल फोटो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

सोशल मीडिया पर आग की तरह फैली इस तस्वीर ने लोगों के गुस्से को सड़कों तक ला दिया है।

सवाल सिर्फ एक दरोगा की गलती का नहीं,

बल्कि उस मानसिकता का है जो सार्वजनिक पद पर रहते हुए भी संवेदनशीलता को ताक पर रख देती है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इसे बाबा साहेब के सम्मान पर सीधा आघात बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।

पुलिस महकमे में भी इस 'फोटो कांड' से हलचल तेज है, लेकिन अभी तक आधिकारिक बयान का इंतजार है। जनता साफ कह रही है यह सिर्फ माफी से नहीं, उदाहरण पेश करने वाली कार्रवाई से थमेगा।

अब देखना यह है कि सिस्टम इस मामले को फाइलों में दफन करता है या सच में वर्दी की गरिमा बचाने के लिए सख्त कदम उठाता है।

24 हजार की रंजिश में दोहरी हत्या

घर में घुसकर दंपति को गोदा, बेटी की चीखें भी नहीं पिघला सकीं दरिंदों के दिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक इलाके में महज 24 हजार रुपये के लेन-देन और मकान की रजिस्ट्री को लेकर उपजे विवाद ने दो जिंदगियां लील लीं। हैरानी की बात यह है कि इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने वाले कोई और नहीं, बल्कि दंपति के परिचित ही निकले।मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी देर रात दंपति के घर में जबरन घुस आए और अचानक चाकुओं से हमला बोल दिया। पति-पत्नी संभल पाते, उससे पहले ही उन पर ताबड़तोड़ वार किए गए। खून से लथपथ दोनों जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दौरान घर में मौजूद उनकी 8 वर्षीय मासूम बेटी बदहवासी में हमलावरों से अपने माता-पिता की जान बख्शने की गुहार लगाती रही, लेकिन दरिंदों का दिल नहीं पसीजा।घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर भारी पुलिस बल के साथ उच्च अधिकारी पहुंचे। डीआईजी, एसएसपी और एसपी सिटी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। फील्ड यूनिट को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए दोनों पक्षों के बीच एक कमरे के मकान की रजिस्ट्री को लेकर विवाद चल रहा था, जिसमें 24 हजार रुपये का भुगतान बाकी था। इसी मामूली रकम ने इतनी बड़ी वारदात का रूप ले लिया।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वहीं, दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस निर्मम दोहरे हत्याकांड ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और सामाजिक संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं जहां मामूली पैसों की रंजिश इंसान को हैवान बना रही है।

मुंगराबादशाहपुर में जाम बना नासूर, घंटों फंसे रहे लोग

» अतिक्रमण और अव्यवस्थित वाहनों से हालात बदतर, अतिरिक्त पुलिस बल की मांग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर नगर में बढ़ता ट्रैफिक जाम अब गंभीर जनसमस्या का रूप ले चुका है। मंगलवार को नगर के अंदर भीषण जाम लग गया, जिससे लोग घंटों सड़क पर फंसे रहे और तेज गर्मी में परेशान होते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या अब रोजमर्रा की हो गई है और इससे निजात दिलाने में प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हो रहा है।

नगर में जाम की मुख्य वजह सड़कों पर फैला अतिक्रमण और बेतरतीब खड़े वाहन हैं। दुकानदारों द्वारा पटरियों और सड़कों तक दुकानें सजाने तथा छोटे-बड़े वाहनों को कहीं भी खड़ा कर देने से यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है।

इसका सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

थाने के पास स्थित चौराहे सहित कई प्रमुख स्थानों पर हालात और भी खराब हैं, जहां निजी वाहन सवारी भरने-उतारने का काम करते हैं। इसके चलते जाम और विकराल रूप ले लेता है, खासकर शादी-विवाह के सीजन में स्थिति और गंभीर हो जाती है। हालांकि नगर पालिका द्वारा प्राइवेट वाहनों के लिए निर्धारित अड्डे बनाए गए हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा है।

प्रशासन केवल औपचारिक घोषणाओं तक सीमित नजर आता है।

स्थानीय नागरिकों ने छिवलहा त्रिमुहानी, चूड़ी गली और सब्जी मंडी जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की मांग की है। वहीं अधिशासी अधिकारी अखिलेश तिवारी ने अतिक्रमण हटाने और वाहनों को निर्धारित स्थानों पर भेजने के लिए अभियान चलाने की बात कही है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

भीषण गर्मी में प्यासे राहगीर, जलालाबाद बीडीओ कार्यालय का फ्रीजर बना 'शोपीस'

» 5.09 लाख की लागत से लगा वाटर फ्रीजर बंद, जिम्मेदारों की अनदेखी से लोगों में नाराजगी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कन्नौज। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां प्रशासन द्वारा आम लोगों को राहत देने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं जलालाबाद क्षेत्र में हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। खण्ड विकास कार्यालय जलालाबाद के बाहर राहगीरों के लिए लगाया गया वाटर फ्रीजर इन दिनों पूरी तरह बंद पड़ा है, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।बताया गया है कि वर्ष 2021–22 में क्षेत्र पंचायत निधि से करीब 5.09 लाख रुपये की लागत से इस फ्रीजर को स्थापित कराया गया था, ताकि राहगीरों और आसपास के लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन वर्तमान में यह फ्रीजर केवल शोपीस बनकर रह गया है। गर्मी के चलते जहां लोगों को राहत की सख्त जरूरत है, वहीं यह व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है।

यह फ्रीजर रेलवे क्रॉसिंग के पास सीएचसी रोड स्थित खण्ड विकास कार्यालय के सामने लगाया गया है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। ऐसे में पानी की सुविधा न होने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द फ्रीजर को चालू कराया जाए, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। फिलहाल अधिकारियों की उदासीनता के चलते यह सुविधा बेकार साबित हो रही है, जो सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग की भी एक मिसाल बन गई है।

अयोध्या की कमान युवा आईएएस के हाथ उम्मीदों का पहाड़ और चुनौतियों की आग

आईआईटी से निकले शशांक त्रिपाठी पर भरोसा, अब रामनगरी में विकास और संतुलन की असली परीक्षा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल में बड़ा संदेश देते हुए युवा और ऊर्जावान आईएएस शशांक त्रिपाठी को अयोध्या का जिलाधिकारी नियुक्त किया है। आईआईटी कानपुर से बीटेक करने वाले शशांक त्रिपाठी 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और मूल रूप से कानपुर देहात के निवासी हैं। पढ़ाई में मेधावी रहे शशांक ने इंजीनियरिंग के बाद प्रशासनिक सेवा का रास्ता चुना और कम समय में ही अपनी कार्यशैली से अलग पहचान बनाई।

बाराबंकी के जिलाधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल प्रभावशाली माना गया, जहां उन्होंने प्रशासनिक सख्ती और विकास कार्यों में संतुलन बनाते हुए कई पहलें लागू कीं। यही कारण रहा कि सरकार ने उन्हें अब देश के सबसे संवेदनशील और हाई-प्रोफाइल जिलों में शामिल अयोध्या की जिम्मेदारी सौंपी है। अयोध्या इस समय आस्था, राजनीति और विकास का केंद्र बनी हुई है। राम मंदिर निर्माण के बाद यहां इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जमीन विवाद, अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम और स्थानीय जनता की समस्याएं भी लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में शशांक त्रिपाठी के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकास की रफ्तार को बनाए रखते हुए आम लोगों के हितों की रक्षा करना होगा।

जनता को उम्मीद है कि नए डीएम सिर्फ योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाएगा। भ्रष्टाचार पर सख्ती, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई जैसे मुद्दों पर उनकी परीक्षा होगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि युवा जोश, तकनीकी समझ और प्रशासनिक अनुभव के दम पर शशांक त्रिपाठी अयोध्या को नई दिशा देते हैं या फिर सिस्टम की जटिलताएं उनकी राह में रोड़ा बनती हैं।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज: 'आवाज़ दबाने' का खेल? टेक्नीशियन ने सीएम से लगाई गुहार

चोरी उजागर करने की सजा या साजिश, बिना नोटिस सेवा समाप्ति पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के साथ हो रहे व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इलेक्ट्रीशियन राजू साहू को बिना नोटिस सेवा से हटाए जाने का मामला अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गया है।

पीड़ित का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह मार्तोलिया उन्हें लंबे समय से प्रताड़ित कर रहे थे और हटाने की साजिश रच रहे थे। राजू साहू का दावा है कि उन्होंने कॉलेज में डीजल चोरी और बाद में पांच सोलर पैनल चोरी का खुलासा किया था, जिसमें आउटसोर्सिंग कर्मचारी मनोज कुमार शामिल था। बावजूद इसके कार्रवाई के बजाय उन्हें ही निशाना बना दिया गया।

आरोप है कि प्राचार्य ने सेवा प्रदाता कंपनी वाजपेई ट्रेडर्स को पत्र भेजकर उनकी सेवाएं समाप्त करा दीं।

अब पीड़ित ने मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच, सेवा बहाली और चोरी के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामला तूल पकड़ने के बाद मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मचा है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर निष्पक्ष जांच हुई, तो साजिश का पूरा सच सामने आ सकता है।

2 एकड़ में 'हरा चमत्कार' शोभाराम बने खेती के मिसाल

बहुफसली मॉडल और नई तकनीक से बदली किस्मत, गांव के लिए बने प्रेरणा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सोहावल विकास खंड के मंगलसी गांव के सीमांत किसान शोभाराम ने महज 2 एकड़ जमीन पर मेहनत और नवाचार से खेती की नई परिभाषा लिख दी है। कभी पारंपरिक खेती से सीमित आय पाने वाले शोभाराम ने सोच बदली और बहुफसली मॉडल अपनाकर अपनी तकदीर बदल डाली।

अब उनके खेत में गेहूं, धान, चना, आलू, केला, मिर्च, लहसुन, धनिया, हल्दी, आम, मक्का और गेंदा जैसी फसलें एक साथ लहलहाती हैं। सह-फसल तकनीक से उन्होंने जोखिम कम किया और हर मौसम में आय का स्रोत बनाया। मृदा स्वास्थ्य सुधारने के लिए बेस्ट डीकम्पोजर और मल्चिंग तकनीक अपनाई, जबकि कीट नियंत्रण के लिए आई पीएम के तहत ग्लू ट्रैप और फेरोमोन ट्रैप का इस्तेमाल कर लागत घटाई। साथ ही बकरी पालन से अतिरिक्त आय और जैविक खाद दोनों का इंतजाम किया। आज शोभाराम आत्मनिर्भर बन चुके हैं, उनकी ज्यादातर जरूरतें खेत से ही पूरी हो रही हैं। आसपास के किसान भी उनसे सीख लेकर बदलाव की राह पर बढ़ रहे हैं। उनकी सफलता साबित करती है छोटी जमीन नहीं, छोटी सोच ही असली बाधा होती है।

लोहिया संस्थान में 'ड्रेस-कोड' सख्त, अब ग्रुमिंग में चूक पर लगेगा जुर्माना

महिला कर्मियों के लिए जूड़ा/हेयरनेट अनिवार्य, पुरुषों पर दाढ़ी-बाल को लेकर सख्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में अनुशासन और कार्यशैली सुधारने के नाम पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए सख्त नियम लागू कर दिए गए हैं। संस्थान प्रशासन के निर्देश पर जारी आदेश में कर्मचारियों के पहनावे से लेकर उनकी ग्रूमिंग तक के लिए जुर्माना तय किया गया है ।करीब 4000 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए जारी निर्देशों के मुताबिक महिला कर्मचारियों को

ड्यूटी के दौरान बालों का जूड़ा बनाना या हेयरनेट पहनना अनिवार्य होगा ।नियम उल्लंघन पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा ।वहीं, पुरुष कर्मचारियों को लंबी दाढ़ी और लंबे बाल रखने पर भी प्रतिदिन 200 रुपये का दंड देना होगा ।इसके अलावा ड्यूटी के दौरान आईडी कार्ड या नेम प्लेट न पहनने पर 100 रुपये और निर्धारित वर्दी न पहनने पर 200 रुपये प्रतिदिन का जुर्माना तय किया गया है। संस्थान का कहना है कि इससे कर्मचारियों की पहचान आसान होगी और संस्थान की छवि बेहतर बनेगी।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ड्यूटी के समय सोना, धूम्रपान या शराब सेवन गंभीर अपराध माना जाएगा, जिस पर 500 रुपये का जुर्माना लगेगा। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार या अवैध लेन-देन में लिप्त पाए जाने पर तत्काल बर्खास्तगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।अनुपस्थिति को लेकर भी सख्ती बढ़ाई गई है। बिना अनुमति परिसर छोड़ने या गैरहाजिर रहने पर 500 रुपये, जबकि बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर 2000 रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है ।आउटसोर्सिंग एजेंसी के इस कड़े फैसले से कर्मचारियों में हड़कंप है, वहीं संस्थान का दावा है कि मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के लिए अनुशासन जरूरी है।

जब्त ईरानी जहाज से बढ़ी जंग की आहट, अमेरिका-ईरान आमने-सामने

होर्मुज में 'मिसाइल केमिकल' का साया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में एक ईरानी जहाज की जब्ती ने वैश्विक भू-राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। अमेरिकी नौसेना की इस कार्रवाई के बाद न सिर्फ अमेरिका और ईरान के बीच टकराव तेज हुआ है, बल्कि चीन की कथित भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी राजनीति की प्रमुख रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने दावा किया है कि जब्त किया गया जहाज चीन से ईरान जा रहा था और उसमें 'ड्यूल यूज' यानी दोहरे इस्तेमाल वाले ऐसे रसायन लदे थे, जिनका उपयोग मिसाइल निर्माण में किया जा सकता है। यह आरोप सामने आते ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता और गहरा गई है।

अमेरिकी सैन्य सूत्रों के मुताबिक, यह घटना ओमान की खाड़ी के पास हुई, जहां अमेरिकी नौसेना ने ईरानी झंडे वाले कंटेनर जहाज 'तूस्का' को रोका। बताया जा रहा है कि यह जहाज इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान शिपिंग लाइंस समूह से जुड़ा है, जिस पर पहले से अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के शुरुआती आकलन में संकेत मिले हैं कि जहाज में मौजूद सामग्री जैसे विशेष धातु, पाइप और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ऐसे हैं जिनका उपयोग औद्योगिक जरूरतों के साथ-साथ सैन्य कार्यक्रमों, खासकर मिसाइल निर्माण में भी किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि जहाज को कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन उसने रुकने से इनकार किया, जिसके बाद उसे जब्त किया गया।

इस कार्रवाई पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तेहरान ने इसे 'समुद्री लूट' करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि जब तक अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध और नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक किसी भी प्रस्तावित शांति वार्ता में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। ईरान का यह रुख ऐसे समय आया है जब पहले से ही क्षेत्र में तनाव चरम पर है और कई मोर्चों पर अप्रत्यक्ष संघर्ष जारी है।

निक्की हेली के आरोप से चीन की एंट्री का संकेत, तेहरान का पलटवार-वार्ता ठप, खाड़ी में तनाव खतरनाक स्तर पर

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

परमाणु हमले के दावे ने बढ़ाई सनसनी

इसी बीच एक और सनसनीखेज दावा सामने आया है, जिसने इस पूरे विवाद को और विस्फोटक बना दिया है। पूर्व सीआईए विश्लेषक लैरी जॉनसन ने दावा किया है कि ईरान के साथ तनाव के दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर परमाणु हमले तक पर विचार किया था। जॉनसन के मुताबिक, एक आपात बैठक में ट्रंप बेहद गुस्से में थे और उन्होंने परमाणु विकल्प पर चर्चा की। हालांकि, उस समय ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने इसका विरोध किया और इसे खतरनाक कदम बताया। इस दावे की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

चीन की भूमिका पर सवाल

निक्की हेली के आरोपों ने इस पूरे घटनाक्रम को और जटिल बना दिया है। उनका कहना है कि चीन न केवल ईरान को आर्थिक सहारा दे रहा है, बल्कि सैन्य क्षमता बढ़ाने में भी अप्रत्यक्ष मदद कर रहा है। हालांकि, चीन की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि यह दावा सही साबित होता है, तो यह पश्चिम एशिया की शक्ति-संतुलन को पूरी तरह बदल सकता है।

'ड्यूल यूज' सामग्री क्यों है खतरनाक

'ड्यूल यूज' सामग्री ऐसे उत्पाद होते हैं जिनका इस्तेमाल सामान्य औद्योगिक कार्यों के साथ-साथ सैन्य उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, उच्च गुणवत्ता वाली धातुएं, विशेष प्रकार के पाइप और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सर्किट ये सभी मिसाइल निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी वजह से इन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जाती है।

परमाणु दावेः सच या सियासत?

ट्रंप से जुड़े परमाणु हमले के दावे की पुष्टि नहीं है, लेकिन ऐसे बयान राजनीतिक माहौल को गरमा सकते हैं और कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

क्या वार्ता का रास्ता बंद हो चुका है?

ईरान का साफ रुख कि वह प्रतिबंध हटे बिना वार्ता नहीं करेगा, संकेत देता है कि फिलहाल कूटनीतिक समाधान की संभावना बेहद कम है।

क्या यह सिर्फ जहाज जब्ती नहीं, बड़ी रणनीति का हिस्सा है?

अमेरिका की यह कार्रवाई केवल एक जहाज को रोकने तक सीमित नहीं दिखती। यह ईरान पर दबाव बनाने और उसके सैन्य कार्यक्रम को सीमित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

चीन की एंट्री से क्यों बढ़ी चिंता?

अगर चीन वास्तव में ईरान को 'ड्यूल यूज' सामग्री दे रहा है, तो यह अमेरिका-चीन टकराव को सीधे पश्चिम एशिया में ले आएगा, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है।

तेल बाजार पर क्या होगा असर?

होर्मुज में तनाव बढ़ने का सीधा असर तेल कीमतों पर पड़ता है। किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिससे भारत जैसे आयातक देशों पर दबाव बढ़ेगा।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह टकराव केवल दो देशों का विवाद नहीं है, बल्कि इसमें वैश्विक शक्तियों की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी शामिल है। विशेषज्ञों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। होर्मुज में जहाज जब्ती का यह मामला केवल एक समुद्री घटना नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया अध्याय बनता जा रहा है। अमेरिका, ईरान और संभावित रूप से चीन के बीच बढ़ता यह तनाव आने वाले दिनों में न सिर्फ पश्चिम एशिया, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com